सांध्य दैनिक 4PM

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
-श्री गुरु नानक देव

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 19 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 19 फरवरी, 2022

गन्ना के बाद आलू क्षेत्र में... 2 | पूर्वांचल की सुरक्षित सीटों पर... 3 | भाजपा ने किसानों को बना दिया... 7

तो सरकार के इशारे पर 4पीएम न्यूज चैनल की आवाज दबा रहा यू ट्यूब इंडिया!

अचानक बंद किया चैनल विपक्ष हमलावर

» यू ट्यूब इंडिया ने किसी भी ट्वीट का नहीं दिया जवाब विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा

» भाजपा सरकार के निशाने पर पहले से ही रहे हैं 4पीएम न्यूज नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोदी मीडिया के जमाने में निष्पक्ष पत्रकारिता कर रहा 4पीएम न्यूज नेटवर्क एक बार फिर सरकार के निशाने पर है। 4पीएम के संपादक संजय शर्मा द्वारा प्रदेश सरकार के कारनामों की पोल लगातार यूट्यूब चैनल पर खोली जा रही है। लिहाजा कल रात अचानक दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय 4पीएम यू ट्यूब चैनल को हैक कर बंद कर दिया गया। इस मामले में कई ट्वीट के बाद भी यू ट्यूब इंडिया ने कोई जवाब नहीं दिया। चैनल को इस तरह बंद किए जाने से न केवल देश-विदेश के दर्शक बल्कि विपक्षी दलों में भी आक्रोश है। विपक्ष का आरोप है कि यह सब सरकार के इशारे पर किया गया है ताकि निष्पक्ष पत्रकारिता का प्रतीक बन चुके 4पीएम चैनल की आवाज को बंद किया जा सके। यह बेहद अलोकतांत्रिक है। वहीं दर्शक भी इस मामले में सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं।

खोजी खबरों, सरकार में हुए घोटालों के खुलासों, किसान आंदोलन के प्रति सरकार का रवैया और गंभीर व सामयिक मुद्दों पर रोज होने वाली परिचर्चा के कारण 4पीएम न्यूज चैनल देश-विदेश के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। यही नहीं निष्पक्ष पत्रकारिता में इसने नए मानक गढ़े हैं। लाखों लोग इसकी परिचर्चा को न केवल लाइव सुनते हैं बल्कि अपनी सकारात्मक टिप्पणी भी देते हैं। 4पीएम न्यूज नेटवर्क का यू ट्यूब चैनल दुनिया के 120 देशों में देखा जाता है। दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो चुके इस चैनल द्वारा खबरों को बेबाक तरीके से रखने के कारण सरकार घबरा गयी और अचानक कल चैनल को बंद कर दिया गया। यह पहला मामला नहीं है जब सरकार ने 4पीएम के संपादक संजय शर्मा को निशाने पर लिया है। पिछले पांच सालों से प्रदेश सरकार लगातार उत्पीड़न कर रही है। बकौल संजय शर्मा, सरकार का यह आखिरी दांव था। पांच सालों में मेरे उत्पीड़न में कोई कसर नहीं छोड़ी गयी। पहले ईओडब्ल्यू, एसटीएफ को लगाया और फिर दफ्तर पर हमले किए गए। मान्यता खत्म कर दी गयी। पुलिस भेजकर मकान खाली कराया गया। विज्ञापन बंद, जान से मारने की धमकी और अब मेरा यू ट्यूब बंद। जिंदा रहूंगा तो ऐसे ही सच बोलूंगा। सरकार इस हद तक उतर आयेगी यह सोचा न था। आवाज बंद करने के सारे हथकंडे फेल हो गये तो मेरे यू ट्यूब चैनल को ही बंद करा दिया। आधी रात को मेरा यू ट्यूब हैक किया गया और बंद करा दिया गया। मैं एफआईआर लिखवाने जा रहा हूं। मेरी आवाज बहुत चुभ रही थी यह मैं जानता था। इतना मत गिरो हुजूर। दूसरी ओर इस मामले में विपक्ष ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है और इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया है।

बिना सूचना चैनल को सस्पेंड करने पर एफआईआर दर्ज कराने जा रहा संस्थान प्रबंधन

"लगातार खोलते रहे हैं सरकार के कारनामों की पोल, निष्पक्ष पत्रकारिता से घबरायी सरकार"

मीडिया पर हमला

ये लोकतांत्रिक तरीका नहीं

4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने ट्वीट कर यू ट्यूब इंडिया से सवाल पूछा है। उन्होंने ट्वीट किया है कि यू ट्यूब इंडिया तुरंत बताइये कि मेरा कोई वीडियो क्यों नहीं खुल रहा है। यह लोकतांत्रिक तरीका नहीं है। मेरा यूट्यूब चैनल 4पीएम न्यूज नेटवर्क आपके द्वारा वैरीफाई किया गया था। ऐसे तो हर उस आदमी का चैनल बंद कर दिया जायेगा जो सच बोल रहा है।

"भाजपा सरकार तानाशाही कर रही है। यह निष्पक्ष पत्रकारों और मीडिया संस्थानों का उत्पीड़न करती है। अब 4पीएम न्यूज चैनल के सच से वह घबरा गयी है और चैनल को बंद करा दिया है। आम आदमी पार्टी 4पीएम न्यूज नेटवर्क के साथ मजबूती से खड़ी है।

"भाजपा 4पीएम न्यूज नेटवर्क के यू ट्यूब चैनल के सच को झेल न सकी इसलिए हमेशा की तरह अपने चिर परिचित अंदाज में चैनल को जबरन बंद करा दिया और अपने खिलाफ लिखने-बोलने वालों को सजा देकर बदला लिया।

ओपी राजभर, अध्यक्ष, सुभासपा

"यू ट्यूब तत्काल निलंबित 4पीएम चैनल को शुरू करे ताकि चुनाव के दौरान लोकतंत्र का गला घोंट रही भाजपा सरकार पर अंकुश लग सके। भाजपा निष्पक्ष पत्रकारिता और विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है।

आईपी सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता, सपा

"भाजपा सरकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ढहाने की साजिश कर रही है। रालोद समेत पूरा विपक्ष 4पीएम न्यूज नेटवर्क के साथ मजबूती से खड़ा है। अपने हथकड़ों से सरकार निष्पक्ष पत्रकारिता का गला नहीं घोंट सकती है।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक टीम आरएलडी

"भाजपा की केंद्र और प्रदेश की सरकार पूरी तरह तानाशाही पर उतर आयी है। वह निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घोंट रही है। कांग्रेस पूरी तरह सच्ची मीडिया के साथ खड़ी है और इन आततायियों को करारा जवाब देगी।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता कांग्रेस

"4पीएम के साथ खेल नहीं हुआ है। भाजपा का बुलडोजर चलने की खबर है। इनको हराना कितना जरूरी है, समझ लें।

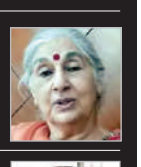

सुभाषिनी अली
सदस्य, पोलित ब्यूरो सीपीआई (मार्क्सवादी)

"4पीएम न्यूज नेटवर्क पर की गई कार्रवाई निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रजातांत्रिक देश में इस कार्रवाई का कोई औचित्य नहीं है। यह बदले की भावना से किया गया है। ऐसा लगता है सरकार डर गई है। लोगों को डराना प्रजातांत्रिक देश में संभव नहीं है।

श्रवण गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार

"आश्चर्य है यू ट्यूब चैनल कैसे डिलीट कर दिया गया? यू ट्यूब इंडिया को ये बताना चाहिए कि बिना किसी वजह से किसी का चैनल कैसे डिलीट किया जा सकता है ?

अजीत अंजुम, वरिष्ठ पत्रकार

"चौंका देने वाला। 4पीएम न्यूज नेटवर्क यू ट्यूब चैनल को क्यों सस्पेंड कर दिया गया है? इसके संपादक संजय शर्मा जो मजबूती से सच बोलते हैं, उनके साथ हम खड़े हैं।

रोहिणी सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

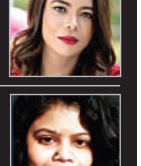

"सरकार चला रहे है बाबा जी, मठ नहीं मीडिया पर ये प्रहार ठीक नहीं।

श्वेता आर रश्मि, संस्थापक संपादक तक्षकपोस्ट

हर वर्ग व हर धर्म को साथ लेकर चलती है भाजपा : ब्रजेश पाठक

» कैंट से भाजपा प्रत्याशी ब्रजेश पाठक के समर्थन में लखनऊ की आवाज बुलंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में कैंट विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी ब्रजेश पाठक के समर्थन में लखनऊ की आवाज बुलंद है। इसी क्रम में ब्रजेश पाठक ने जनता से अपील की कि वोट देना हमारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सही आदमी को वोट देना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समृद्धि और विकास तभी आएगा जब यूपी में कमल खिलेगा। इससे पहले ब्रजेश पाठक के समर्थन में कैंट में हुई जनसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाठक को एक लाख वोटों से जिताने का आह्वान किया। इसके लिए बीजेपी पार्षदों को बकायदा नाम से पुकारते हुए उनकी जिम्मेदारी भी तय की। कहा कि जिन पोलिंग बूथों पर ज्यादा वोट पड़ेंगे, उनके बूथ अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को खुद सम्मानित करूंगा।

जनसभा में राजनाथ बोले, हमने कहा कि कश्मीर से 370 खत्म करेंगे तो खत्म किया। कहा था, राम मंदिर बनाएंगे तो बनाना शुरू कर दिया। नागरिकता कानून का वादा किया था, उसकी कवायद चल रही है। उन्होंने जनसभा में आए लोगों से पूछा कि क्या यह सही नहीं है कि अयोध्या की धरती पर बाबर ने आकर मंदिर तोड़ा था। हम आरोप की चिंता किए बगैर मंदिर बना रहे हैं। साथ ही यह भी गारंटी देते हैं कि अगर कहीं कोई मस्जिद या गिरजाघर बनता है तो उसमें भी बाधा नहीं आएगी। इस दौरान डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने कहा कि सरकार ने योजनाओं का लाभ हिंदू और मुस्लिम देखकर नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में युवाओं की योग्यता के बजाय एक परिवार फैसला करता था कि किसे नौकरी मिलेगी? इसके उलट बीजेपी की सरकार में पिछले पांच साल के दरम्यान जितनी भी भर्तियां निकलीं उनमें भ्रष्टाचार, मनमानी या भाई भतीजावाद होना तो दूर इसका आरोप तक नहीं लगा। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सोच और विचारधारा तमंचावादी की है। बता दें कि भाजपा ने 2017 में लखनऊ मध्य क्षेत्र से चुनाव जीते ब्रजेश पाठक को इस बार कैंट से उम्मीदवार बना दिया है। मतदान से पहले वे लगातार लोगों से जनसंपर्क कर रहे हैं।

गरीबों के घर में बढ़ रही खुशहाली

ब्रजेश पाठक ने कहा कि गरीबों को बीजेपी सरकार में पीएम आवास मिला, पुराने घर में शौचालय की सुविधा मिली, देश के किसी भी हिस्से में पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड मिला, उज्जवला, बैंक खाते में छह हजार रुपए, नल से जल और दो बार राशन मिला। इन योजनाओं से खुशहाली बढ़ी है। यूपी की कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि माफिया और अपराधियों की ऐशगाहों पर बुलडोजर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में पद के लिए नहीं, कद बढ़ाने के लिए कोशिश करनी चाहिए। व्यक्ति का कद पद से नहीं उसकी कृतियों से बड़ा होता है।

झाड़ू से भगाएंगे भाजपा का भूत : संजय सिंह

» पति-पत्नी के बीच झगड़ा कराने वाली पार्टी है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य सभा सदस्य एवं आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने भाजपा पर करारा तंज कसा है। जालौन के उरई सदर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि आप की झाड़ू ही भाजपा का भूत भगाएगी। भारतीय जनता पार्टी झगड़ा कराने वाली पार्टी है और इसे आप कतई मत बुलाइयेगा वरना पति-पत्नी में झगड़ा करा देगी। उन्होंने पार्टी के साफ स्वच्छ छवि वाले प्रत्याशी को वोट दिए जाने की अपील की।

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि भाजपा अबतक जिस भी राज्य में गई है, वहां उसने आपसी सौहार्द बिगाड़ा है। हिंदू- मुस्लिमों में आपसी झगड़ा करा दिया है। इसे आप सभी अपने मोहल्ले में भी नहीं बुलाइएगा नहीं तो यह पति और पत्नी के बीच भी झगड़ा करा देगी। यह भारतीय जनता पार्टी नहीं है इसका नाम है भारतीय झगड़ावादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में भूतों को भगाने के लिए झाड़ू मारने की पुरानी प्रथा है, इस बार हम अपनी झाड़ू से भाजपा के इस भूत को भगाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने हमेशा झूठ और फरेब के साथ जनता को छला है। अमित शाह कहते हैं कि रात को 12 बजे उत्तर प्रदेश में 16 साल की लड़की खुलेआम गहने पहनकर कर घूमती है। बताओ उत्तर प्रदेश में अपराधों की कमी आई क्या, इनके फरेब में आप न पड़ें। कहा, भाजपा-सपा वाले उल्लू बनाओ योजना लेकर आगे बढ़े हैं, इनके बहकावे में न आएं। आम आदमी पार्टी ने एक स्वच्छ और ईमानदार प्रत्याशी को मैदान में उतारा है, जिसका समर्थन करें।

हाईकमान ही तय करेगा सीएम : हरीश रावत

» पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के बदल गए सुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर मुख्यमंत्री को लेकर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के सुर बदल गए हैं। अब उनका कहना है कि हाईकमान ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा। मतदान खत्म होने के बाद हरीश रावत ने कहा था कि पार्टी की सरकार बनने पर वह या तो मुख्यमंत्री बनेंगे या घर बैठ जाएंगे।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के अगले दिन पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा था कि पार्टी के सत्ता में आने पर या तो वह मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर घर बैठ जाएंगे। उनके इस बयान को एक तरह से आला कमान को साफ संकेत बताया जा रहा था कि जीतने की स्थिति में हरीश रावत बतौर मुख्यमंत्री अपनी प्रबल दावेदारी पेश करेंगे, लेकिन फिर उनके सुर बदल गए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी बात कही है। मुख्यमंत्री बनने या फिर घर बैठने की बात जिस संदर्भ में कही गई है, वह ठीक है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद भाजपा विधायक एवं प्रत्याशी जिस तरह से अपनी ही पार्टी के लोगों पर चुनाव हराने का आरोप लगा रहे हैं, वह भाजपा का 2016 का पाप है। उसे उसके पाप का फल मिल रहा है। भाजपा के कई विधायक अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पर ही गंभीर आरोप लगा रहे हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि स्ट्रांग रूम पर नजर बनाए रखें।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय : जाति के आधार पर नंबर देने का मामला पहुंचा राजभवन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में जातिवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पूरा मामला अब राजभवन तक जा पहुंचा है। मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर विक्रम के मामले में राजभवन ने कुलपति को जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही इस प्रकरण में अपने स्तर पर आवश्यक कार्यवाही के भी निर्देश दिए हैं। ऐसे में अब प्रो. विक्रम की मुश्किलें बढ़ गई है।

विक्रम ने दो साल पहले विवि प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाया था। उन्होंने विवि के शिक्षकों-छात्रों पर जातिवादी होने और जाति के आधार पर छात्रों को अंक देने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इलाहाबाद विवि प्रशासन से जवाब-तलब किया। ऐसे में विवि प्रशासन ने डा. विक्रम को नोटिस जारी कर साक्ष्य के साथ मांगा। इस पर वह आयोग पहुंच गए। आयोग ने दोबारा इलाहाबाद प्रशासन से जवाब मांगा। इसी बीच छात्रनेता अभिषेक द्विवेदी ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को पत्र लिखा। पत्र के मुताबिक तमाम राजनीतिक संगठन इवि में जातीय भेदभाव उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। अभिषेक ने मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग की। इस पर कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी डा. पंकज एल जानी ने कुलपति को पत्र भेजकर प्रश्नगत प्रकरण पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश दिया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गन्ना के बाद आलू क्षेत्र में चुनावी घमासान

» सपा को घेरकर पुराना प्रदर्शन दोहराना चाहती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गन्ना क्षेत्र में दो चरणों का चुनावी घमासान तीसरे चरण में आलू उत्पादक क्षेत्र में पहुंच गया है। दरअसल उत्तर प्रदेश के मध्य, पश्चिम और बुंदेलखंड क्षेत्र के 16 जिलों की 59 सीटों में से 36 सीटों पर आलू किसानों का दबदबा है। यह देश का सबसे बड़ा आलू उत्पादक क्षेत्र है, इसलिए यहां की सियायत भी आलू के इर्द-गिर्द घूमती है।

चुनावी महासमर में उतरीं सभी प्रमुख पार्टियों के चुनावी घोषणा पत्र में आलू से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता दी गई है। कहने को तो यह सपा का गढ़ है लेकिन पिछले चुनाव में वह यहां हाशिए पर पहुंच गई थी। इस बार सपा को यहीं से संजीवनी की आस है। वहीं अखिलेश व शिवपाल को यहीं घेरकर भाजपा अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश में जुटी है। किसानों के लिए आलू की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव, भंडारण की सुविधा और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), उन्नत प्रजाति के बीजों की आपूर्ति जैसे मुद्दे अहम हैं। घोषणा पत्र में सभी प्रमुख दलों ने आलू से संबंधित मसलों को उठाने के साथ ही उनके समाधान का मुद्दा शामिल किया है। भाजपा के साथ सपा और कांग्रेस ने इन मुद्दों को चुनाव में प्रमुख रूप से उठाकर आलू किसानों को लुभाने की कोशिश की है। सपा का मजबूत गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में भाजपा ने कड़ी टक्कर देने के लिए अपने दिग्गज नेताओं को मैदान में उतारा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की उनके चुनाव क्षेत्र मैनपुरी के करहल में ही घेरेबंदी कर दी है। इसी से पार पाने के लिए सपा को अपने बुजुर्ग नेता मुलायम सिंह यादव को करहल में वोट मांगने के लिए उतारना पड़ा।

तीसरे चरण के तीन हिस्से बेहद महत्वपूर्ण

बुंदेलखंड से अवध क्षेत्र तक फैले तीसरे चरण को तीन हिस्सों में बांटकर देखें तो पश्चिमी क्षेत्र के फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, कासगंज और हाथरस हैं जबकि अवध क्षेत्र के कानपुर, कानपुर देहात, औरैया, कन्नौज, इटावा और फर्रुखाबाद हैं। इसी चरण में बुंदेलखंड के पांच जिले शामिल हैं, जिनमें झांसी, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर और महोबा हैं। यादव बहुल सीटों पर 2017 में सपा का सूपड़ा साफ हो गया था। इन 29 सीटों में से उसे मात्र छह सीटें मिल पाई थीं। जबकि 23 सीटें भाजपा को मिली थीं जबकि 2012 में यहां सपा को 25 सीटें मिली थीं।

पूर्वांचल की सुरक्षित सीटों पर घमासान, अपने कोर वोटरों को सहेजने में जुटे प्रत्याशी

» सपा-बसपा और भाजपा के बीच त्रिकोणीय हो रहा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में पूर्वांचल की सुरक्षित विधान सभा सीटों पर कांटे की टक्कर दिख रही है। अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों के बीच यहां घमासान कम नहीं है। गोरखपुर-बस्ती मंडल की सभी सुरक्षित सीटों पर प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों मंडलों की 41 विधानसभा सीटों में से आठ सीटें सुरक्षित हैं। इन सीटों पर भी कहीं विधायक की प्रतिष्ठा दांव पर है तो कहीं पूर्व विधायक की। कुछ सीटों पर तो विधायक और पूर्व विधायक आमने-सामने हैं। सभी जातीय समीकरण साधने में जुटे हैं। वहीं बागी प्रत्याशी राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ा रहे हैं।

गोरखपुर की खजनी सुरक्षित सीट पर वर्तमान विधायक संत प्रसाद का टिकट काट कर भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और घनघटा के विधायक श्रीराम चौहान को उतारा है। सपा की प्रत्याशी रूपावती बेलदार चुनौती दे रही हैं। वहीं बसपा प्रत्याशी विद्या सागर पार्टी के परंपरागत वोट के माध्यम से अपनी मजबूती दर्ज करा रहे हैं। कांग्रेस की रजनी और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी रमेश चौहान का वोट बैंक भी क्षेत्र में वोटों की प्रतिस्पर्धा को बढ़ा रहा है। डा. विमलेश पासवान बांसगांव के वर्तमान विधायक हैं। वह क्षेत्र में अपने द्वारा किए गए कार्यों के सहारे मतदाताओं को सहेजने के लिए दौड़ लगा रहे हैं। सांसद का चुनाव लड़ चुके डॉ. संजय कुमार सपा के टिकट से उन्हें चुनौती दे रहे हैं। बसपा प्रत्याशी राम नयन आजाद को भी अपने परंपरागत वोटों पर भरोसा है और इसी आधार पर जीत का दावा कर रहे हैं। पूनम आजाद कांग्रेस के टिकट से ताल ठोक रही हैं। देवरिया के सलेमपुर सुरक्षित सीट में भाजपा के टिकट पर विजय लक्ष्मी गौतम मैदान में हैं और सपा-गठबंधन के टिकट पर सुभासपा से पूर्व विधायक मनबोध प्रसाद उनके सामने हैं। मनबोध 2012 में विजय लक्ष्मी को हराकर ही विधायक बने थे। कांग्रेस प्रत्याशी दुलारी देवी भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। बसपा प्रत्याशी राजेश भारती को अपनी पार्टी के परंपरागत वोटों पर भरोसा है। कुशीनगर के रामकोला सुरक्षित सीट का वर्तमान परिदृश्य त्रिकोणीय संघर्ष का है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विनय प्रकाश गोंड भाजपा के टिकट पर पूरी मजबूती से लड़ रहे हैं जबकि सपा के टिकट पर चार बार विधायक रहे पूर्णमासी देहाती उन्हें टक्कर दे रहे हैं। कांग्रेस ने पूर्व विधायक शंभू चौधरी को उतारकर लड़ाई को त्रिकोणीय स्वरूप दे दिया है। सिद्धार्थनगर की एकमात्र सुरक्षित सीट शोहरतगढ़ में भाजपा ने वर्तमान विधायक श्यामधनी राही पर एक बार फिर भरोसा जताया है। उन्हें सपा प्रत्याशी विजय पासवान से टक्कर मिल रही है। बसपा के कन्हैया कन्नौजिया को अपनी पार्टी के वोटों पर भरोसा है। कांग्रेस के देवेंद्र भी क्षेत्र में सक्रिय हैं।

महराजगंज में विधायक को मिल रही चुनौती

महराजगंज की सदर सीट सुरक्षित है। यहां वर्तमान विधायक जयमंगल कन्नौजिया एक बार फिर भाजपा के टिकट से जीत की मजबूत दावेदारी कर रहे हैं। वहां उन्हें सपा गठबंधन से सुभासपा के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रही जिला पंचायत सदस्य गीता रत्ना चुनौती दे रही हैं। सपा से टिकट न मिलने पर बागी के तौर निर्देल प्रत्याशी बन मैदान में उतरे निर्मेश मंगल के प्रति भी लोगों की संवेदना दिख रही है। बसपा प्रत्याशी को यहां भी परंपरागत वोटों का ही सहारा है। ओमप्रकाश इस सीट पर बसपा प्रत्याशी हैं।

धनघटा में सियासी तापमान बढ़ा

संतकबीर नगर की धनघटा सीट दो बार के विधायक अलगू चौहान के मैदान में आने से गर्म हो गई है। अलगू सपा-गठबंधन से सुभासपा के चुनाव निशान छड़ी से मैदान में हैं। भाजपा के प्रत्याशी गणेश चौहान को उनसे कड़ी टक्कर मिल रही है। दोनों ही प्रत्याशी अपने-अपने दलों के सहारे जातीय गणित भी बैठा रहे हैं। बसपा के संतोष बेलदार पार्टी का परंपरागत वोट सहेजने में जुटे हैं। कांग्रेस की शांति देवी भी सक्रिय हैं।

गोरखपुर-बस्ती मंडल की सीटों पर उम्मीदवारों में कांटे की टक्कर

बस्ती की महादेवा सीट पर कड़ा मुकाबला

बस्ती की महादेवा सुरक्षित सीट पर वर्तमान विधायक रवि सोनकर को भाजपा एक बार फिर मौका दिया है। उनसे मुकाबले के लिए सपा-गठबंधन ने सुभासपा के टिकट पर पूर्व विधायक दूधराम को उतारा है। दूधराम 2007 से 2012 के बीच इस क्षेत्र से बसपा के विधायक रह चुके हैं। बसपा प्रत्याशी लक्ष्मी शंकर खरवार और आप प्रत्याशी राम सुरेश भी मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी बृजेश आर्य भी अपने वोटों को सहेज रहे हैं।

हॉट सीट : महाराजपुर में इस चुनाव में दांव पर सतीश महाना की प्रतिष्ठा

लगातार सात बार विधायक बने और आठवीं बार फिर मैदान में

» क्षेत्र में लगातार मिल रही सपा प्रत्याशी फतेह बहादुर सिंह से चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 1991 से लगातार सात बार भाजपा की टिकट पर विधान सभा चुनाव जीत चुके सतीश महाना एक बार फिर महाराजपुर विधान सभा क्षेत्र से मैदान में हैं। वह सौभाग्य मानते हैं कि पार्टी ने उन्हें फिर मैदान में आने का निर्देश दिया है। हालांकि इस बार उन्हें मैदान में सपा प्रत्याशी व बसपा प्रत्याशी से कड़ी चुनौती मिल रही है। भाजपा प्रत्याशी औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना के मुताबिक पहले उद्योग का सरकार पर और सरकार का उद्योग पर कोई विश्वास नहीं था, लेकिन आज हालात बदले हुए हैं।

सरकार और उद्योग में आपसी समन्वय है और उत्तर प्रदेश उद्योग जगत के लिए नया केंद्र बनकर उभरा है। सतीश महाना बताते हैं कि परिसीमन के बाद 2012 में नया क्षेत्र मिला। यह पूरी तरह अविकसित क्षेत्र था और किसी तरह की मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं। न सड़क थी, न जल निकासी के लिए नाला या नाली। पेयजल की व्यवस्था तक नहीं थी। मेरे लिए चुनौती थी कि जनता के विश्वास पर खरा उतर सकूं। जनता ने 2017 में जो समर्थन की शक्ति दी, उसी की ताकत से उनकी अपेक्षाओं को पूरा किया। आज सड़क, नाली, बिजली, पेयजल की व्यवस्था है। मेरी राजनीति केवल जनकल्याण की है। किसी भी प्रकार के विवाद या विवादित विषयों में नहीं पड़ता हूं। सपा प्रत्याशी फतेह बहादुर सिंह गिल महाना पर निशाना साधते हुए कहते हैं कि इस चुनाव में इनकी जमानत जब्त हो जाएगी। जनता अखिलेश के साथ है। इस बार यहां सपा की साइकिल ही चलेगी। वहीं बसपा प्रत्याशी का कहना है कि क्षेत्र में विकास अब तक नहीं हुआ है। जनता महाना के कामकाज से खुश नहीं है, उनकी हार इस बार तय है।

यहां की जनता भाजपा के कामों से खुश

सतीश महाना कहते हैं कि 2017 में औद्योगिक विकास विभाग मिला। उससे पहले इस विभाग की पहचान केवल लाइसेंस के रूप में होती थी। उद्यमी तत्कालीन सरकारों के भय के कारण नहीं आते थे। उद्योग को सत्ता पक्ष के लोग वसूली का जरिया समझते थे। यहां न बिजली उपलब्ध थी न अवस्थापना सुविधाएं। आज उद्योग और सरकार में आपस में समन्वय है। कानपुर के चर्म उद्यमियों ने खुद मुझसे कहा है कि रनईपुर में प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर से उनकी 50 वर्षों की उम्मीद पूरी हो गई। डिफेंस से जुड़े उद्योग लगातार बढ़ रहे हैं। लेजरी में कानपुर देश में तीसरे, साबुन में शीर्ष पर है। रसोई मसालों में भी कानपुर अग्रणी है। रूमा औद्योगिक क्षेत्र पहले वीरान था, अब वहां रौनक है। पहले 10 प्लाट के लिए दो उद्यमी आवेदन करते थे। आज 10 प्लाट के लिए 100 आवेदन आते हैं। वे कहते हैं कि कानपुर व कानपुर देहात की जनता ने उन्हें बड़ा सम्मान दिया है और यह सम्मान आगे भी बरकरार रहेगा।

महाराजपुर विधानसभा सीट का गणित

महाराजपुर विधानसभा सीट उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है, जहां 2017 में भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की थी। इस बार महाराजपुर विधानसभा सीट के परिणाम किस पार्टी के पक्ष में होंगे, यह जनता को तय करना है। यह सीट उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर जिले में आती है। 2017 में महाराजपुर में कुल 55.93 प्रतिशत वोट पड़े। 2017 में भारतीय जनता पार्टी से सतीश महाना ने बहुजन समाज पार्टी के मनोज कुमार शुक्ला को 91826 वोटों के मार्जिन से हराया था। महाराजपुर विधानसभा सीट टीकमगढ़ के अंतर्गत आती है। इस संसदीय क्षेत्र से सांसद हैं वीरेंद्र कुमार खटीक, जो भारतीय जनता पार्टी से हैं। उन्होंने इंडियन नेशनल कांग्रेस के किरण अहिरवार को 348059 से हराया था। वहीं विधानसभा चुनाव में इस बार इस सीट पर बीजेपी प्रत्याशी महाना के सामने सपा से फतेह बहादुर सिंह, बसपा से सुरेंद्र पाल सिंह, कांग्रेस से कनिष्क पांडेय व आम आदमी पार्टी से उमेश सिंह यादव चुनाव मैदान में हैं।

रायबरेली में अदिति की पारिवारिक सीट पर उलझे समीकरण

कभी कांग्रेस या यूं कहें कि असरदार नेता अखिलेश सिंह का गढ़ रही रायबरेली सदर विधान सभा सीट का चुनावी मिजाज इस बार जुदा है। चुनावी पिच पर नए और पुराने खिलाड़ी हैं, लेकिन पिछले चुनाव के मुकाबले जातीय समीकरण उलट-पलट गए हैं।

कांग्रेस से विधायक बनकर योगी सरकार का गुणगान करने वाली अखिलेश सिंह की बेटी अदिति सिंह इस बार भाजपा से मैदान में हैं। वहीं, वर्ष 2012 में शिकस्त झेलने के बाद आरपी यादव सपा से फिर अखाड़े में जोर-आजमाइश कर रहे हैं। कांग्रेस नए चेहरे डॉ. मनीष सिंह चौहान के बूते अपने ही गढ़ में नैया पार लगाने के लिए संघर्ष कर रही है। वहीं, मो. अशरफ बसपा की साख बचाने के लिए दमखम लगा रहे हैं। ये सभी ब्राह्मण, यादव, क्षत्रिय और मुस्लिम वोटों के बल पर विधान सभा पहुंचने की राह देख रहे हैं। एक वक्त था, जब सदर विधानसभा सीट पर सिर्फ विधायक अखिलेश सिंह की तूती बोलती थी। सदर से वह पांच बार विधायक रहे। छठवीं बार बेटी अदिति सिंह को विधायक बनाया। इस सीट पर करीब चार दशक से इसी परिवार का कब्जा है। खास बात यह है कि सपा प्रत्याशी आरपी यादव 2012 में अदिति के पिता अखिलेश सिंह के सामने चुनाव लड़े चुके हैं। इस बार वे अदिति को चुनौती दे रहे हैं। इस वजह से यह चुनाव और रोमांचक हो गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

तेरह साल बाद आए फैसले के निहितार्थ

आखिरकार 13 साल बाद गुजरात के अहमदाबाद में सीरियल बम धमाकों पर विशेष अदालत ने फैसला सुना दिया। कोर्ट ने 38 दोषियों को फांसी और 11 को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है। 2008 में 21 स्थानों पर हुए सीरियल ब्लास्ट में 56 लोगों की मौत हो गयी थी और 200 लोग घायल हुए थे। इन हमलों के पीछे आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन का हाथ था। सवाल यह है कि क्या देश में त्वरित न्याय मिलना नामुमकिन होता जा रहा है? क्या देर से मिला न्याय अन्याय नहीं है? क्या ऐसे केस में 13 साल बाद फैसला आना न्याय प्रणाली और सरकारी तंत्र पर सवाल नहीं उठाता है? क्या मुकदमों के निपटारे के लिए देश में न्यायाधीशों की कमी है? क्या जांच एजेंसियों की लचर कार्यप्रणाली के कारण हालात बदतर होते जा रहे हैं? क्या न्याय में देरी अपराधियों और आतंकियों के हौसलों को बुलंद नहीं करेगी? क्या न्याय व्यवस्था और पुलिसिया कार्रवाई में बदलाव की जरूरत महसूस नहीं हो रही है?

सीरियल ब्लास्ट में आया फैसला निश्चित रूप से उन पीड़ितों के जख्मों पर मरहम का काम करेगा, जिन्होंने इन हमलों में अपनों को खोया था। बावजूद इसके यह न्यायपालिका में प्रचलित वाक्य देर से आया न्याय अन्याय से कम नहीं होता, की याद दिलाता है। विशेष अदालत ने यह फैसला दिया है। जाहिर है अब यह केस हाईकोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। वहां यह वर्षों लटका रह सकता है। ऐसे में संपूर्ण और त्वरित न्याय पर सवाल उठने लाजिमी हैं। सच यह है कि देश की न्यायपालिकाओं पर मुकदमों का बोझ बढ़ता जा रहा है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक देश के न्यायालयों में 15 सितंबर 2021 तक लंबित मामलों की संख्या 4.5 करोड़ से ज्यादा थी। अधीनस्थ कोर्ट में 87.6 फीसदी मामले लंबित हैं जबकि हाईकोर्ट में यह आंकड़ा 12.3 फीसदी है। सुप्रीम कोर्ट में 70 हजार केस लंबित थे। 2010 और 2020 के बीच लंबित मामलों की संख्या में 2.8 फीसदी दर से सालाना वृद्धि हुई। इसका मुख्य कारण जजों की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट में कुल स्वीकृत 1098 में 465 यानी 42 फीसदी पद खाली थे। यही हाल अधीनस्थ कोर्ट का है। सुप्रीम कोर्ट भी इस पर अपनी चिंता जाहिर करता रहा है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी। ऐसे में न्याय प्रक्रिया बेहद सुस्त चाल से चल रही है। वहीं एजेंसियों की धीमी जांच-पड़ताल के कारण भी फैसलों के आने में लंबा वक्त लगता है। लिहाजा न्याय के लिए पीड़ित को वर्षों इंतजार करना पड़ता है। जाहिर है यदि त्वरित न्याय की व्यवस्था करनी है तो न्यायपालिका और सरकार को मिलकर नयी व्यवस्था बनानी होगी।

“ सीरियल ब्लास्ट में आया फैसला निश्चित रूप से उन पीड़ितों के जख्मों पर मरहम का काम करेगा, जिन्होंने इन हमलों में अपनों को खोया था। बावजूद इसके यह न्यायपालिका में प्रचलित वाक्य देर से आया न्याय अन्याय से कम नहीं होता, की याद दिलाता है। विशेष अदालत ने यह फैसला दिया है। जाहिर है अब यह केस हाईकोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। वहां यह वर्षों लटका रह सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हिजाब तो बहाना, निशाने पर कुछ और

श्रवण गर्ग

बेंगलुरु से मैसूर पहुंचने वाले राजमार्ग पर कर्नाटक की राजधानी से सिर्फ सौ किमी दूर स्थित मांड्या शहर के एक कॉलेज में बी कॉम के दूसरे साल में पढ़ने वाली मुस्लिम छात्रा मुस्कान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला ने दूर इंग्लैंड में बैठे-बैठे ऐसा क्या देख लिया होगा कि वह उसके साथ खड़ी हो गई और भारत का यह छोटा सा शहर दुनिया के नक्शे पर आ गया? मुस्कान ने आठ फरवरी को जो इतिहास बनाया उसे भारत को एक हिंदू राष्ट्र घोषित करने की आहटों के बीच अत्यंत पिछड़े समझे जाने वाले पच्चीस करोड़ की आबादी वाले मुस्लिम समाज द्वारा ली जा रही करवटों से जोड़कर देखा जा सकता है। इन्हीं करवटों से पैदा होने वाला कंपन इस समय उत्तर प्रदेश के चुनावों में नजर आ रहा है जिससे लखनऊ और दिल्ली की सत्ताएं डरी हुई हैं।

मांड्या से सरकार को चुनौती इस बात की दी जा रही है कि वह तीन तलाक आदि को कुप्रथा बताकर मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने की बात तो करती है पर हिजाब को हथियार बनाकर बच्चियों को लिखने-पढ़ने से रोकना चाहती है। सरकार डरती है कि ये बच्चियां भी अगर पढ़-लिखकर नौकरियों में अपना हिस्सा और नागरिक अधिकारों की मांग करने लगेंगीं तो उसके उस बहुसंख्यक वोट बैंक में सेंध लग जाएगी जिसके तुष्टिकरण के जरिए वह सत्ता की राजनीति करना चाहती है। ('इंडियन एक्सप्रेस' की एक खबर के मुताबिक ,मुसलिम बालिकाओं द्वारा स्कूल-कॉलेजों में प्रवेश लेने की संख्या जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। वर्ष 2007-2008 में देश की कुल मुस्लिम महिलाओं का केवल 6.7 प्रतिशत ही उच्च शिक्षा प्राप्त करता था पर 2017-18 में वह बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गया। अपने गलों में भगवा शालें लपेटकर जयश्री राम के नारे लगाते हुए छात्रों की भीड़ ने जब आठ फरवरी को मांड्या के कॉलेज में मुस्कान को घेर लिया तो उन्हें दूर-दूर तक अनुमान नहीं रहा होगा कि निरीह-सी नजर आने वाली लड़की आगे कुछ ऐसा भी कर सकती है जिससे उनके पैरों तले की जमीन खिसक जाएगी। कोलकाता से प्रकाशित होने वाले अंग्रेज़ी अख़बार 'द टेलिग्राफ' ने घटना का वर्णन कुछ इस प्रकार किया है-'उस नितांत अकेली छात्रा ने अपना दो-पहिया वाहन पार्क किया और क्लास की तरफ बढ़ने लगी तभी उसकी नजर अपनी बाईं ओर गई। उसने गौर किया कि भगवा दुपट्टाधारी युवाओं का एक समूह उसकी तरफ देखते हुए 'जयश्री राम ' के नारे लगा रहा है। मुस्कान ने भी पलटकर जवाब दे दिया-'अल्लाहु अकबर' , 'हिजाब मेरा अधिकार है' और वह क्लास की ओर बढ़ती गई। युवाओं का झुंड भी चिल्लाता हुआ उसका पीछा करता रहा। तभी पीछा कर रहे युवाओं से मुस्कान ने सवाल किया कि उन लोगों को समस्या क्या है? वे लोग कौन होते हैं यह बताने वाले कि उसे अपना बुर्का उतार देना चाहिए। बाद में मुस्कान को कॉलेज के दो कर्मचारी अपने संरक्षण में इमारत में ले गए।'

सवाल अब बुर्के या हिजाब के पहनने या नहीं पहनने का नहीं बल्कि यह भी बन गया है कि क्या एक विचारधारा विशेष के प्रति प्रतिबद्ध उत्तेजक भीड़ ही यह तय करने वाली है कि किसे क्या पहनना या खाना होगा? उस स्थिति में देश के स्थापित संवैधानिक संस्थानों और अदालतों की भूमिका क्या रहने वाली है? मांड्या की घटना

का दूसरा पहलू यह है कि 'जयश्री राम' का उद्घोष करते युवाओं के उत्तेजक समूह से घिरी छात्रा 'अल्लाहु अकबर' के स्थान पर अगर 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' या 'भारत माता की जय' का नारा लगा देती तो फिर क्या होता? वे हिंदुत्ववादी तत्व, जो बुर्के को लेकर मुस्कान के पीछे पड़े थे, शायद बौखला जाते उन्हें सूझ ही नहीं पड़ती कि अब आगे क्या करना चाहिए! उत्तर प्रदेश के संदर्भ में कहा जाए तो हिंदूवादी ताकतों द्वारा गोदी मीडिया की मदद से घटना को जिस तरह साम्प्रदायिक रंग में रंगा जा रहा है वह प्रयोग असफल हो जाता। दूसरी ओर, वे तमाम कट्टरपंथी मुस्लिम महिला-पुरुष, जो मुस्कान को अपनी आगे की लड़ाई का प्रतीक बनाकर शाहबानो के फैसले के समय के विरोध प्रदर्शनों को जगह-जगह पुनर्जीवित कर रहे हैं, उनके पैर भी अपने घरों में ही ठिठक जाते। पर वैसा कुछ भी नहीं हुआ। अपनी पीठ पीछे जय श्रीराम के नारों के साथ चीखते समूह से खौफ खाई हुई बालिका ने सुरक्षा कवच के रूप में उसका स्मरण कर लिया जिसे वह अपना ईश्वर मानती है और दोनों ही तरफ की साम्प्रदायिक ताकतों को उनके मनमाफिक हथियार मिल गए। केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को भी ट्वीट करने का मौका मिल गया कि मुस्कान को हिजाबी हुड़दंग का चेहरा बनाने वाले, हिंदुस्तानी मुस्कानों के (को !) तालीम, तरक्की की तालिबानी तबाही का मोहरा बनाते जा रहे हैं, खुदा ख़ैर करे।' नकवी से पूछा जा सकता है कि उन युवाओं को किस 'तालिबानी' तबाही का मोहरा बनाया जा रहा है जो हिंदुस्तानी मुस्कानों का भगवा शाल-दुपट्टों और जयश्री राम के नारों के साथ पीछा करते हैं और राष्ट्रीय तिरंगे को नीचे उतारकर भगवा झंडा आकाश में लहराने का दुस्साहस दिखाते हैं? (कर्नाटक के एक मंत्री ने पिछले दिनों कहा था कि भविष्य में किसी दिन भगवा राष्ट्रीय ध्वज बन सकता है और तब उसे लाल किले से भी फहराया जा सकेगा।

असली मुद्दा हिजाब, बुर्का या पर्दा नहीं बल्कि इन पहरावों को हथियार बनाकर देश में धार्मिक-साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण और तनाव उत्पन्न करना है। जो मुसलिम छात्राएं हिजाब या बुर्का नहीं पहनतीं उनकी तरक्की के लिए नकवी साहब के विभाग के पास कोई अलग से बजट नहीं होगा। यही स्थिति दलित और अन्य पिछड़े वर्गों के बच्चों और महिलाओं की पढ़ाई को लेकर भी है। सरकारों से उनके कामों को लेकर सवाल करने से रोकने का अधिनायकवादी तरीका यही है कि शोषित समाजों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के उनके अधिकारों से वंचित कर दिया जाए। शिक्षण संस्थाओं में सभी बच्चों को एक जैसी पोशाकों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के पीछे एक इरादा यह दिखाना भी हो सकता है कि सभी की पारिवारिक सम्पन्नता एक जैसी है और सभी के पेट समान रूप से भरे हुए हैं। अदालती फैसला अगर इसी बात पर होना है कि शिक्षण संस्थाओं में छात्र-छात्राओं को ऐसे परिधानों में प्रवेश की अनुमति दी जाए या नहीं जिनसे उनकी धार्मिक पहचान उजागर होती है तो फिर उस फैसले में संविधान की शपथ लेकर उच्च पदों पर आसीन होने वाले व्यक्तियों के पहरावों और उनके सार्वजनिक आचरण को भी शामिल किया जाना चाहिए। मुस्लिम छात्राओं के मां-बाप भी पूछ रहे हैं कि जब हिंदू छात्राएं सिंदूर लगाती हैं, ईसाई छात्राएं क्रास पहनतीं हैं तो हमारी बच्चियों के हिजाब में क्या गलत है? इसका कौन जवाब देगा? मुख्तार अब्बास नकवी या अदालतें?

यूक्रेन मसले पर रूस की हेठी

शिवकांत

रूस ने नवंबर से यूक्रेन की सीमा पर सैनिकों का जमाव शुरू किया था, जो 1.30 से 1.70 लाख के बीच पहुंच गया था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन का कहना है कि इस जमाव की मुख्य वजह अमेरिका नीत सामरिक संगठन नाटो का रूस की सीमाओं तक आना है। वे इस बात से नाराज हैं कि अमेरिका और यूरोपीय देश अपने उस वादे से मुकर गये कि सोवियत संघ से अलग हुए पूर्वी यूरोप के देशों में नाटो का विस्तार नहीं होगा पर ऐसे 14 देशों को नाटो में शामिल कर लिया गया और रूस नाटो देशों से घिरता गया।

पुतिन को लगता है कि अब यूक्रेन की बारी है और फिर बेलारूस और जॉर्जिया को भी नाटो में शामिल किया जायेगा। पुतिन ने यूक्रेन को यूरोपीय संघ और नाटो में जाने से रोकने के लिए 2010 में वहां राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच की सरकार बनवायी, जो रूस समर्थक थे, लेकिन यूक्रेन के बहुसंख्यक लोग भ्रष्टाचार, तानाशाही और रूस-परस्ती से नाराज थे। वे पड़ोसी पोलैंड और रोमानिया की तरह यूरोपीय संघ में शामिल होना चाहते थे ताकि आर्थिक विकास हो सके और लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम हो सके। 2014 में यानुकोविच के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ, जिसे मैदान क्रांति कहते हैं। क्षेत्रफल के हिसाब से यूक्रेन रूस के बाद यूरोप का सबसे बड़ा देश है। जारशाही के दौर में इसे रूस में शामिल किया गया था। यहां सत्तर प्रतिशत लोग यूक्रेनी बोलते हैं और अब रूस से आजाद लोकतांत्रिक व्यवस्था चाहते हैं। बाकी रूसी बोलते हैं और रूस के साथ ऐतिहासिक रिश्ते बनाये रखना चाहते हैं। रूसी भाषी लोग पूर्वी डॉनबास क्षेत्र और उसके आस-पास के रूस की सीमा से लगनेवाले इलाकों और दक्षिण के कालासागर में फैले क्रीमिया प्रायद्वीप में रहते हैं। साल 2014 में यानुकोविच के तख्ता-पलट के बाद रूस ने रूसियों की सुरक्षा के नाम पर क्रीमिया में जनमत संग्रह कराकर कब्जा कर लिया तथा डॉनबास क्षेत्र के डोनांस्क और लुहांस्क प्रांतों पर रूसी विद्रोहियों का नियंत्रण करा दिया। अमेरिका और नाटो पुतिन की इस चाल के लिए तैयार नहीं थे और यूक्रेन में गृहयुद्ध जैसे हालात बन गये थे इसलिए कोई कुछ नहीं कर पाया।

जॉर्जिया पर भी पुतिन ने 2008 में यूक्रेन जैसा ही हमला किया था और अपनी सीमा से लगे दो छोटे प्रांतों-अबखाजिया व दक्षिणी ओसेतिया में विद्रोहियों का नियंत्रण करा दिया था, जो रूस का समर्थन करते हैं। युद्धाभ्यास करने और हमले का इरादा न होने का भरोसा दिलाते हुए हमले करना और पड़ोसी देशों के इलाकों को हड़प लेना या अपने समर्थकों का शासन कायम करा देना पुतिन की शैली बन चुकी है इसलिए अब अमेरिका और नाटो उनकी बातों में नहीं आना चाहते। शायद इसी से घबरा कर राष्ट्रपति पुतिन सेना की वापसी और बातचीत की बात करने लगे हैं, पर यह समझ में नहीं आता कि यूक्रेन पर हमला कर वे हासिल क्या करना चाहते थे? यह सही है कि अमेरिका और नाटो इस समय लड़ाई में यूक्रेन का साथ नहीं दे सकते क्योंकि वह न तो यूरोपीय संघ का सदस्य है और न नाटो का। वह यूरोपीय संघ का केवल एक साझीदार सदस्य है, जिसके सहारे उसे सहयोग भर दिया जा सकता है इसीलिए नाटो पहले यूक्रेन और जॉर्जिया की मदद नहीं कर पाया था। पुतिन की भी जीत तय नहीं है क्योंकि युद्ध में रूसी सेना का रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। यदि वे जीत भी गये तो वहां कितने दिन नियंत्रण रख सकेंगे, यह कहना मुश्किल है। सबसे बड़ा सवाल जीत की कीमत का है। कोविड की मार से चरमरायी रूसी अर्थव्यवस्था क्या अमेरिका और नाटो की ताकत के खिलाफ खड़ी रह पायेगी? हमले की सूरत में अमेरिका और यूरोप कड़ी आर्थिक पाबंदियों के साथ रूस की विदेशों में जमा पूंजी को जब्त करने की योजना भी बना रहे हैं। क्या पुतिन और उनके अमीर ओलिगार्क अपनी पूंजी से हाथ धोना चाहेंगे? नाटो के नजरिये से देखें, तो लड़ाई छिड़ने से यूरोप की गैस और तेल की आपूर्ति बंद हो जायेगी। सबसे बड़े और शक्तिशाली देश जर्मनी समेत यूरोप के कई देश रूस से आनेवाली गैस पर निर्भर हैं, जो यूक्रेन से होकर आनेवाली गैस पाइपलाइन से आती है। गैस के दाम लड़ाई की आशंका भर से तिगुने हो चुके हैं। लड़ाई छिड़ने पर महंगाई आसमान छूने लगेगी इसलिए नाटो देश नहीं चाहते कि लड़ाई हो।

पुतिन अपनी धौंस की कूटनीति से नाटो से यह गारंटी चाहते हैं कि यूक्रेन को कभी नाटो में शामिल नहीं किया जायेगा और नाटो रूस के पड़ोसी देशों को सदस्यता देना बंद कर देगा। वे यह भी चाहते हैं कि नाटो रोमानिया और पोलैंड जैसे देशों से अपने हथियार हटा ले। नाटो इन मांगों को नहीं मान सकता क्योंकि यूक्रेन स्वतंत्र देश है। नाटो की सदस्यता लोकतंत्र, पारदर्शिता और मानवाधिकार की कड़ी शर्तें पूरा करने पर ही दी जाती है। यूक्रेन संकट से भारत को भी सीख लेनी चाहिए और अपनी तेल व गैस की निर्भरता को कम करते हुए अक्षय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने की रणनीति अपनानी चाहिए। यूक्रेन का संकट अब लड़ाई के बजाय धैर्य-परीक्षा की लड़ाई की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। यह लड़ाई लंबे समय तक खिंच सकती है, जिसका असर भारत में बजट और महंगाई पर होगा। कूटनीतिक दांव-पेचों में भी भारत को अमेरिका, नाटो और रूस के बीच संतुलन बना कर चलना होगा लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता रूस और चीन के बीच बढ़ती नजदीकियों की होगी। रूस का चीनी खेमे में जाना भारत-अमेरिका संबंधों के लिए भी नयी मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

कैंसर रोगियों के लिए फायदेमंद

शहतूत

गर्मियों के दिनों में खट्टा मीठा शहतूत आप सभी ने खाया होगा। यह जितना टेस्टी होता है, उतना ही पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है। शहतूत के फलों में बड़ी मात्रा में बॉयोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं। इसके चलते इसका उपयोग हर्बल दवाइयों में किया जाता है। इसके अलावा शहतूत लीवर प्रोटेक्टिव, एंटी-फ्लॉजिस्टिक, हाइपोटेंशन, किडनी प्रोटेक्टिव, मूत्रवर्धक, एंटी-कफ और एनाल्जेसिक होता है। वहीं कई लोग शहतूत को कैंसर के लिए एंटीडॉट मानते हैं। तो आइए जानते खट्टा मीठा फल शहतूत के बारे में।

कैंसर के लिए एंटीडॉट का काम करता है

हाल ही में शहतूत को लेकर नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफार्मेशन पर इसको लेकर एक लेख प्रकाशित हुआ।

एनसीबीआई पर प्रकाशित इस लेख के मुताबिक, शहतूत के कैंसर के खिलाफ एंटीडॉट गुणों को लेकर अध्ययन हुआ है, जिसे वैज्ञानिकों द्वारा विट्रो स्टडी नाम दिया गया। इसमें यह बात सामने आई कि शहतूत कैंसर के खतरे को कम करने का काम करता है। दरअसल, इसमें पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनॉयड जैसे बॉयोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं। यह दोनों कंपाउंड कैंसर सेल्स को कम करने में मददगार हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि शहतूत कैंसर के जोखिम को कम करने में फायदेमंद है।

आयुर्वेद में शहतूत के फायदे

विजडम ऑफ आयुर्वेदा की डॉ. दीक्षा सावलिया का कहना हैं कि शहतूत में कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट की अच्छी मात्रा होने के कारण यह शुगर को ग्लूकोज में बदलने का काम करता है। इस वजह से इसका सेवन आपको दिनभर एनर्जेटिक बनाए रखता है। इसमें पाए जाने वाले आयरन तत्व टिशू ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है।

लीवर कैंसर के जोखिम को कम करता है

एक अन्य स्टडी में भी यह बात सामने आई कि शहतूत लीवर कैंसर को कम करता है। इसके मुताबिक शहतूत की पत्तियों में क्लोरोजेनिक एसिड और नियोक्लोरोजेनिक जैसे तत्व पाए जाते हैं। जो लीवर कैंसर की हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा सेल की वृद्धि को रोकता है।

हाल ही की रिसर्च से पता चलता है कि मोटापा और अधिक वजन होने से लीवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में शहतूत की पत्तियां आपकी लीवर की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

दमकती त्वचा के लिए बड़ा गुणकारी

शहतूत में हाई एंटीऑक्सीडेंट तत्व भरपूर पाए जाते हैं। इस वजह से यह आपके बालों और स्किन की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स का मानना हैं कि शहतूत का सेवन करके आप बालों के नेचुरल कलर को बरकरार रख सकते हैं। रूखी और बेजान त्वचा से निजात पाने के लिए भी शहतूत का सेवन किया जा सकता है। जो लोग बालों के झड़ने, मुंहासे और कील जैसी दिक्कतें झेल रहे हैं, उनके लिए शहतूत खाना फायदेमंद हो सकता है।

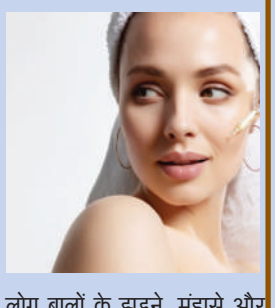

बेहतर रखता है ब्लड सर्कुलेशन

एनसीबीआई के मुताबिक शहतूत में सायनाइडिंग 3 ग्लूकोसाइड नाम का फाइटोन्यूट्रिएंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह तत्व ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने के साथ ब्लड प्यूरीफाई करने का काम करता है। इसका हाइपरग्लाइसेमिक इफेक्ट ब्लड शुगर की अधिकता को कम करने में सहायक है। शोध से पता चलता है कि शहतूत में न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट मौजूद होते हैं। जो कि दिमाग की सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

हंसना मना है

रिंकी (गुस्साते हुए): इतना लेट क्यों हो गए? मैं कब से वेट कर रही हूं। पिंकू: बॉस ने रोक लिया था। उनके साथ डिनर कर रहा था। रिंकी: अच्छा क्या खाया? पिंकू: गालियां।

Boss-वाह नई शर्ट! तुमने खरीदी है क्या? रोहित: नहीं सर भैया ने गिफ्ट दी है। Boss- ओह अच्छा मुझे लगा मैं सैलरी ज्यादा तो नहीं दे रहा...!

राजेश को उसका बॉस बड़ा परेशान करता था। इसलिए उसने बदला लेने की ठानी... शाम को उसने बॉस के खाली टिफिन में चुपके से 2 चॉकलेट रख कर एक पर्ची डाल दी। पर्ची में लिखा था-जानू दोनों तुम ही खाना, उस पागल को मत देना। दूसरे दिन बॉस लंगड़ाते हुए ऑफिस आया। चेहरा इतना सूजा हुआ था कि एक आंख भी नहीं खुल रही थी।

राजू: सर मेरी बीवी 4-5 दिनों के लिए मेरे साथ कहीं घूमने जाना चाहती है, छुट्टी चाहिए... बॉस: नहीं मिलेगी! राजू: थैंक्यू सर, मैं जानता था मुसीबत में आप ही मेरे काम आएंगे।

Employee-बॉस मुझे डाकुओं ने पकड़ लिया है, दोनों हाथ काट दिए हैं और टांगें भी तोड़ दी हैं। Boss: देख लो... हो सके तो आ जाओ... आज स्टाफ कम है।

कहानी — बाज की सीख

एक बार एक शिकारी जंगल में शिकार करने के लिए गया। बहुत प्रयास करने के बाद उसने जाल में एक बाज पकड़ लिया। शिकारी जब बाज को लेकर जाने लगा तब रास्ते में बाज ने शिकारी से कहा, तुम मुझे लेकर क्यों जा रहे हो? शिकारी बोला, मैं तुम्हे मारकर खाने के लिए ले जा रहा हूं। बाज ने सोचा कि अब तो मेरी मृत्यु निश्चित है। वह कुछ देर यूं ही शांत रहा और फिर कुछ सोचकर बोला, देखो, मुझे जितना जीवन जीना था मैंने जी लिया और अब मेरा मरना निश्चित है, लेकिन मरने से पहले मेरी एक आखिरी इच्छा है। बताओ अपनी इच्छा? शिकारी ने उत्सुकता से पूछा। बाज ने बताना शुरू किया-मरने से पहले मैं तुम्हें दो सीख देना चाहता हूं। इसे तुम ध्यान से सुनना और सदा याद रखना। पहली सीख तो यह कि किसी कि बातों का बिना प्रमाण, बिना सोचे-समझे विश्वास मत करना। और दूसरी ये कि यदि तुम्हारे साथ कुछ बुरा हो या तुम्हारे हाथ से कुछ छूट जाए तो उसके लिए कभी दुखी मत होना। शिकारी ने बाज की बात सुनी और अपने रास्ते आगे बढ़ने लगा। कुछ समय बाद बाज ने शिकारी से कहा-शिकारी, एक बात बताओ। अगर मैं तुम्हे कुछ ऐसा दे दू, जिससे तुम रातों-रात अमीर बन जाओ तो क्या तुम मुझे आजाद कर दोंगे? शिकारी फौरन रुका और बोला, क्या है वो चीज, जल्दी बताओ? बाज बोला, दरअसल, बहुत पहले मुझे राजमहल के करीब एक हीरा मिला था, जिसे उठा कर मैंने एक गुप्त स्थान पर रख दिया था। अगर आज मैं मर जाऊंगा तो वो हीरा ऐसे ही बेकार चला जाएगा, इसलिए मैंने सोचा कि अगर तुम उसके बदले मुझे छोड़ दो तो मेरी जान भी बच जायेगी और तुम्हारी गरीबी भी हमेशा के लिए मिट जायेगी। यह सुनते ही शिकारी ने बिना कुछ सोचे समझे बाज को आजाद कर दिया और वो हीरा लाने को कहा। बाज तुरंत उड़ कर पेड़ की एक ऊंची साख पर जा बैठा और बोला, कुछ देर पहले ही मैंने तुम्हें एक सीख दी थी कि किसी के भी बातों का तुरंत विश्वास मत करना लेकिन तुमने उस सीख का पालन नहीं किया। दरअसल, मेरे पास कोई हीरा नहीं है और अब मैं आजाद हूं। यह सुनते ही शिकारी मायूस हो पछताने लगा। तभी बाज फिर बोला, तुम मेरी दूसरी सीख भूल गए कि अगर कुछ तुम्हारे साथ कुछ बुरा हो तो उसके लिए तुम कभी पछतावा मत करना।

सीख: इस कहानी से हमें ये सीख मिलती है कि हमे किसी अनजान व्यक्ति पर आसानी से विश्वास नहीं करना चाहिए और किसी प्रकार का नुकसान होने या असफलता मिलने पर दुखी नहीं होना चाहिए, बल्कि उस बात से सीख लेकर भविष्य में सतर्क रहना चाहिए।

7 अंतर खोजें

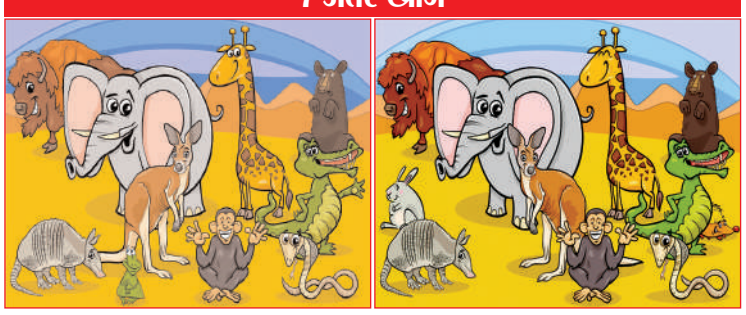

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। किसी तरह का सेलिब्रिशन भी हो सकता है। आपकी कोशिशों से आपका पार्टनर खुश होगा। आज मेष राशि वालों को प्यार में सफलता मिलेगी।

वृषभ — पार्टनर के साथ विवाद भी हो सकता है और बाद में सब ठीक हो जाएगा। अपनी भावनाएं किसी पर ना थोपें। कोई व्यक्ति आपकी ओर अट्रैक्ट हो सकता है।

मिथुन — प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। प्रेमी से शारीरिक सुख मिल सकता है।

कर्क — पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। पार्टनर की सेहत का ख्याल रखेंगे। कपड़े और खाने-पीने की चीजों पर पैसा अधिक खर्च होगा।

सिंह — प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है। पार्टनर को आपकी मदद से फायदा होगा। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए ये सप्ताह अनुकूल है।

कन्या — अपनी वाणी पर संयम रखें। नए दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। आपकी कोई बात पार्टनर को परेशान कर सकती है। पार्टनर की ओर से सुख मिलेगा।

तुला — आज का दिन प्रेमी के साथ अच्छा बीतेगा। विवाह के योग बन रहे हैं। प्रेमी के साथ घूमने जा सकते हैं। ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आप आकर्षित भी हो सकते हैं।

वृश्चिक — प्रेमी से उपहार मिलेगा। पार्टनर से सुख मिल सकता है। खर्चे बढ़ सकते हैं। पति-पत्नि घूमने का प्लान बना सकते हैं, तो बहुत अच्छा रहेगा। आज नया तोहफा मिल सकता है।

धनु — पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर बात कर सकते हैं। पार्टनर के साथ कुछ रोमांटिक पल बिताने के लिए समय जरुर निकालें।

मकर — पार्टनर के साथ बाहर जा सकते हैं। खर्चे बढ़ सकते हैं। यदि प्रेम संबंध पुराने हैं तो भी अपनी पसंद-नापसंद और भावनाएं प्रेमी पर न थोपें। अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें।

कुम्भ — आपकी शादी पक्की हो सकती है। पार्टनर की कोई बात परेशान कर सकती है। अपनी भावनाएं किसी को शेयर ना करें। आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकती है।

मीन — अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। प्रेमी की तरफ से गिफ्ट मिलेंगे। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप ज्यादा समय तक चल सकती है।

बॉलीवुड | दरियादिली

सलमान ने बहन अर्पिता के लिए दिखायी दरियादिली

हाल ही काजोल ने जुहू इलाके में 11.95 करोड़ के दो अपार्टमेंट खरीदे और अब खबर है कि सलमान खान की बहन अर्पिता खान शर्मा ने भी करोड़ों का बंगला खरीदा है। अर्पिता का यह नया घर मुंबई के खार वेस्ट इलाके में स्थित है। 1750 स्क्वेयर फीट में फैला यह घर 12वीं फ्लोर पर है, जिसमें 4 कार पार्किंग हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अर्पिता खान ने इस घर को 10 करोड़ में खरीदा है। इसका रजिस्ट्रेशन 4 फरवरी को हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक अर्पिता ने इस घर के लिए 40 लाख रुपये की स्टैंप ड्यूटी दी है। अर्पिता और उनके पति आयुष शर्मा फिलहाल बांद्रा के एक अपार्टमेंट में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अपार्टमेंट उन्हें सलमान खान ने गिफ्ट किया था। सलमान, बहन अर्पिता के काफी क्लोज हैं। उनके पिता ने अर्पिता को बचपन में गोद लिया था। अर्पिता और आयुष का यह अपार्टमेंट बेहद खूबसूरत हैं, जिसकी कुछ तस्वीरें अर्पिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। वहीं पिछले साल दिसंबर में खबर आई थी कि सलमान ने मुंबई स्थित अपने एक अपार्टमेंट को किराए पर दिया है। सलमान का यह अपार्टमेंट बांद्रा वेस्ट में शिव स्थान हाइट्स में स्थित है। सलमान ने इसे प्रति महीने 95 हजार किराए पर दिया था। बात करें अर्पिता की तो उन्होंने ऐक्टर आयुष शर्मा के साथ लव मैरिज की थी। दोनों एक बेटा और एक बेटी के पैरंट्स हैं। आयुष हाल ही सलमान के साथ फिल्म अंतिम: द फाइनल ट्रुथ में नजर आए थे। वहीं सलमान खान इस वक्त दिल्ली में कटरीना कैफ के साथ टाइगर 3 की शूटिंग कर रहे हैं।

रणबीर ने की आलिया भट्ट की शिकायत

बॉलीवुड | गपशप

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर बिजी चल रही हैं। हाल में ही वह निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचीं। यहां गंगूबाई काठियावाड़ी का प्रीमियर हुआ। यहां संजय लीला भंसाली-आलिया भट्ट ने मीडिया और फैंस के सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान संजय लीला भंसाली ने ऑडियंस के प्रश्न पर मजेदार जवाब दिया। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर को शिकायत है कि आलिया भट्ट घर पर भी गंगूबाई काठियावाड़ी के कैरेक्टर में ही रहती हैं। संजय लीला भंसाली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह प्रेस मीट में जवाब देते दिख रहे हैं। जब उनसे गंगूबाई किरदार और आलिया भट्ट को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि आलिया भट्ट असल जिंदगी में भी गंगूबाई के किरदार में रहती हैं। उनके बॉयफ्रेंड (रणबीर कपूर) मुझसे एक दिन इनकी शिकायत कर रहे थे कि आलिया घर पर भी गंगूबाई की तरह बात करती हैं। आलिया ने इस कैरेक्टर को बहुत अच्छे से ढाला है। इससे पहले संजय लीला भंसाली ने आलिया भट्ट के डांस की भी काफी तारीफ की थी।

पीटीआई से बातचीत में भंसाली ने कहा था कि वह एक अच्छी डांसर भी हैं। वह भूल जाती हैं कि उनके सामने कौन हैं और वह हमेशा किरदार और काम पर फोकस करती हैं। बता दें गंगूबाई काठियावाड़ी सिनेमाघरों में 25 फरवरी को रिलीज हो रही है। आलिया भट्ट के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर और रणबीर कपूर के साथ ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगी।

द्वितीय विश्व युद्ध बेस्ड होगी द गुड महाराजा

पोलिश बच्चों को बचाने के लिए किए गए युद्ध की दिल छू लेने वाली सच्ची कहानी पर आधारित अपने अगले प्रोजेक्ट 'द गुड महाराजा ' की प्रिंसिपल फोटोग्राफी शुरू कर दी है। 'नो मीन्स नो' के बाद, यह भारत और पोलैंड का दूसरा मिला-जुला प्रयास होगा, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का गहरा और बेहतर बनना सुनिश्चित है। विकास का का आगे बकर ऐसा प्रयास करना शोमैन राज कपूर की याद दिलाता है, जिनकी 1970 की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' जिसने भारत और सोवियत रूस के बीच के रिश्तों को फिर से मजबूत कर दिया था। विकास वर्मा ने कहा कि हम महाराजा दिग्विजय सिंह, रंजीत सिंह जडेजा की बेटी, हर्षद कुमारी के निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं, जो 2 फरवरी, 2022 को हमारे बीच नहीं रहीं। उन्होंने उनको भरे मन से भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह एक युग का अंत है। उन कुछ लोगों में से एक, जो 'द गुड महाराजा' की आत्मा को छू लेने वाले हावभाव को देख चुके थे, स्वर्ग में चले गए। वो चंद ऐसे बचे हुए लोगों में से थीं जिन्होंने महाराजा साहब के दिल की गहराइयों को छू लेने वाले प्रयासों को देखा था और अब वो दिवंगत हो गई हैं। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि जीवन की लंबी यात्रा के बाद उनको मोक्ष प्राप्त हो। फिल्म का मेगा बजट 400 करोड़ होगा, इस तरह के बड़े बजट के साथ हम निश्चित रूप से बहुत अच्छे स्टैंडर्ड की शानदार फिल्म की उम्मीद कर सकते हैं।

भारत और पोलैंड के लिए एक कमाल का ऐतिहासिक क्षण हुआ था, जब जामनगर के महाराजा दिग्विजय सिंह, रंजीत सिंह जडेजा ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उस समय के सोवियत रूस से बचाए गए 1000 पोलिश बच्चों को बलाचडी, गुजरात में शरण दी थी। वे बच्चे महाराजा साहब को प्यार से 'बापू' भी कहते थे। ये प्यार से कहे गए वो शब्द थे, जिनकी गूंज समय के अंतराल को पारकर के दो देशों को उस समय करीब लाई जब बहुत से देशों के सबसे मजबूत समझे जाने वाले गठबंधन भी पूरी तरह से टूट चुके थे। बॉलीवुड फिल्ममेकर विकाश वर्मा ने, जो हाल ही में अपनी मेगा बजट वाली इंडो-पोलिश फिल्म 'नो मीन्स नो' के लिए सुर्खियों में हैं, महाराजा दिग्विजय सिंह, रंजीत सिंह जडेजा द्वारा 1000

अजब-गजब | वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

इस पत्थर को काटने पर निकलता है खून

दुनियाभर में अद्भुत और अनोखी चीजों का भंडार है। आज हम आपको एक ऐसे पत्थर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके टूटने पर टुकड़े नहीं होते बल्कि उसमें से खून निकलने लगता है। इस पत्थर के टूटने पर वैसे ही निशान बन जाते हैं जैसे किसी के शरीर पर चोट के बन जाते हैं और उसमें से खून निकलने लगता है। यही नहीं, इन पत्थरों से मीट जैसी वस्तु भी निकली है जिसे लोग मांस के रूप में बाजार से खरीदकर लाते हैं और मीट की तरह बनाकर खाते हैं।

दरअसल, चिली और पेरू के समुद्री तलों में बड़ी संख्या में ये पत्थर पाए जाते हैं। इन पत्थरों यदि कोई पहली नजर देखें तो उसे यह सामान्य पत्थर की तरह नजर आएगा हैं। इसे पत्थर को पायुरा चिलियांसिस के नाम से जाना जाता है। इस पत्थर को जैसे ही तोड़ा जाता है इस पत्थर से खून बहने लगता है। यह पत्थर चट्टानों से चिपका रहता है और धीरे-धीरे उसका ही हिस्सा बन जाता है। इस पत्थर को पीरियड रॉक के नाम से भी जाना जाता है। इस पत्थर को लेकर चौंकाने वाली बात यह है कि इस पत्थर से केवल खून ही नही निकलता बल्कि मांस भी होता है। ऊपर से

सख्त दिखने वाला ये पत्थर अंदर से बेहद नरम और मुलायम होता है।

इस पत्थर को लेकर चौंकाने वाली बात यह है कि इस पत्थर से केवल खून ही नही निकलता बल्कि मांस भी होता है। ऊपर से सख्त दिखने वाला ये पत्थर अंदर से बेहद नरम और मुलायम होता है। लोग इस पत्थर की तलाश के लिए समुद्र की गहराइयों को छानते है क्योंकि इस पत्थर से निकलने मांस को लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। जिस कारण दिनों-दिन इसकी डिमांड बढ़ती जा रही है। इस पत्थर का मांस निकालने के लिए लोगों को तेज चाकू की जरुरत पड़ती है। पत्थर के मांस से कई डिशेज और सलाद बनाई जाती हैं। लेकिन स्थानीय लोग इस पत्थर को कच्चा खाना पसंद करते हैं। बता दें कि यह पत्थर एक समुद्री जीव है। जो सांस भी लेता है और खाना भी खाता है। साथ ही इसके पास लिंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है, जिसकी सहायता से बच्चे भी पैदा करता है। लेकिन ये जीव किसी पत्थर की तरह ही दिखाई देता है।

वैज्ञानिकों ने समुद्र की गहराईयों में की दुर्लभ बेबी घोस्ट शार्क की खोज

समुद्र की गहराईयों में सैकड़ों रहस्य छिपे हुए हैं। ये रहस्य आए दिन सामने आते रहते हैं। जिसमें भिन्न प्रकार के समुद्री जीव कीमती पत्थर शामिल है। ऐसे ही एक रहस्य से न्यूजीलैंड के वैज्ञानिकों ने पर्दा उठाया है। दरअसल न्यूजीलैंड के वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ बेबी घोस्ट शार्क को खोज निकाला है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड के पूर्वी तट से 1।2 किलोमीटर की गहराई में नए-हैटेड घोस्ट शार्क को देखा गया था। रिपोर्ट में बताया गया कि ये दुर्लभ खोज एक गलती से तब हुई जब नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉटर एंड एटमॉस्फेरिक रिसर्च के शोधकर्ताओं की एक टीम, चैथम राइज में पानी के नीचे की आबादी का ट्रॉल सर्वेक्षण कर रही थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि शार्क का बच्चा हाल ही में पैदा हुआ था, क्योंकि उसका पेट अभी भी अंडे की जर्दी से भरा हुआ था। बता दें कि गहरे पानी का जीव, घोस्ट शार्क किरणों के समान कार्टिलाजिनस प्राणी हैं। इसे चीमेरा के रूप में भी जाना जाता है और इन प्राणियों को देखना अत्यंत दुर्लभ है। जिन्हें घोस्ट शार्क कहा जाता है क्योंकि उनके कंकालों की कार्टिलाजिनस प्रकृति उन्हें एक भयानक, अलौकिक गुण प्रदान करती है। ब्रिट फिनुची, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉटर एंड एटमॉस्फेरिक में एक मत्स्य वैज्ञानिक और टीम के एक सदस्य ने बीबीसी को बताया कि, गहरे पानी की प्रजातियों को आमतौर पर खोजना मुश्किल होता है, विशेष रूप से पर घोस्ट शार्क को, वे काफी गूढ़ होते हैं, इसलिए हम बस उन्हें नहीं देख पाते हैं। वहीं एनआईडब्ल्यूए वेबसाइट पर एक बयान में, डॉ फिनुची ने इसे बहुत दुर्लभ और रोमांचक खोज कहा है, उन्होंने कहा बेहतर अध्ययन किए गए चीमेरा प्रजातियों से, हम जानते हैं कि किशोरों और वयस्कों की अलग-अलग आहार और आवास आवश्यकताएं हो सकती हैं।

भाजपा ने किसानों को बना दिया चौकीदार : सतीश चंद्र

» सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है बसपा

» नौकरी देने की जगह नौजवानों पर बरसाईं लाठियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सादाबाद। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने स्थानीय छाबी मियां बाग में बसपा उम्मीदवार अविन शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा में सपा और भाजपा को आड़े हाथ लिया। सपा और भाजपा पर मिलजुल कर दंगे कराने का आरोप लगाते हुए उन्होंने बहनजी के शासनकाल में कराए गए विकास कार्यों को गिनाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा-सपा एक सिक्के के दो पहलू हैं। आपस में नफरत पैदा कर वोट की राजनीति करते हैं। मायावती ने सारे समाज को साथ लेकर सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का नारा दिया और सबको आगे बढ़ाने का काम किया। सपा की सरकार आने पर प्रदेश में गुंडागर्दी, माफियागर्दी, बलात्कार व फिरौती जैसी वारदातें बढ़ जाती है। सपा सरकार में 134 दंगे हुए थे। दंगे भाजपा व सपा की देन है। दोनों वोट मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से दंगे कराते हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा लुभावने वादे करती है। इनसे ज्यादा झूठ बोलने वाला कोई नहीं है। ये सिर्फ धोखा देने वाली पार्टी है। भाजपा ने किसानों को खेत का चौकीदार बना दिया। तीन कृषि कानून बनाकर उद्योगपति को फायदा पहुंचाने का काम किया। भाजपा किसानों की जमीन हाथ से निकलवाना चाहती है। आंदोलन में 750 किसानों की शहादत हो गई है। आंदोलन खत्म करने के लिए किसानों को कुचल दिया गया। एसआईटी ने भी जांच में दोषी माना लेकिन मंत्री से इस्तीफा नहीं लिया गया। भाजपा व सपा में ज्यादा फर्क नहीं है। हाथरस की बेटी के साथ बलात्कार होता है और मरने पर शरीर भी घर वालों को नहीं दिया जाता है। रात में ही मिट्टी का तेल डालकर उसका शव जला दिया गया। इसका वीडियो पूरी दुनिया ने देखा है। उन्होंने कहा कि खुशी दुबे को आज तक जेल में रखा है। बसपा सरकार आने पर खुशी दुबे को रिहा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ऑयल कंपनी, बैंक, हवाई जहाज और अन्य सरकार संपत्ति बेचने का काम किया है। प्रदेश में नौकरी देने की बजाय विभागों में ठेकों पर काम दे दिया। नौजवानों ने आंदोलन किया तो उन पर लाठियां बरसाईं गईं।

बीजेपी सरकार ने हर वर्ग को दिया योजनाओं का लाभ : लक्ष्मीनारायण

» रामवीर उपाध्याय के समर्थन में मांगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस। सादाबाद में प्रदेश के दुग्ध विकास मंत्री लक्ष्मीनारायण ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पांच साल के शासन काल में हर वर्ग को लाभ पहुंचाया। किसान, गरीब, मजदूर के उत्थान के साथ राष्ट्रहित में देश की सरकार ने कई अनूठे कार्य किए हैं, जिसके माध्यम से पूरे विश्व में भारत का डंका बजने लगा है।

वे शुक्रवार को कुरसंडा में भाजपा प्रत्याशी रामवीर उपाध्याय के समर्थन में नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2019 पुलवामा कांड का बदला सरकार ने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक कर लिया था। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरू कराया। कश्मीर से बिना किसी प्रतिरोध के धारा 370 हटाना, घर-घर में शौचालय, गरीबों को आवास, किसानों को किसान सम्मान निधि, वैक्सीन की डबल डोज व राशन भी डबल दिलाने जैसे काम किए। मंत्री ने जनता से अधिक से अधिक मतदान करने के लिए कहा कि कोई भी व्यक्ति 20 तारीख को मतदान करने से वंचित न रहे। भाजपा प्रत्याशी रामवीर उपाध्याय के लिए वोट मांगे। भावना विद्यालय में नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधान प्रतिनिधि व भाजपा नेता चौधरी रूपेंद्र सिंह नंबरदार ने उनका साफा बांधकर स्वागत कर प्रतीक चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम में सुभाष चौधरी, प्रशांत पोनिया, अनुज चौधरी, सीपी सिंह, रामेश्वर, विजय भान सिंह, बृजराज सिंह, भुवनेश चंद्र शर्मा, अजय चौधरी, राधेलाल, संजय सिंह, श्री कृष्ण चौधरी, हरि चौधरी, कालीचरण शर्मा, भीमसेन, तेजवीर सिंह, हरीश चौधरी, दिलीप मिठास, राजेंद्र सिंह, सत्य प्रकाश, रामप्रकाश कार्यकर्ता मौजूद थे।

सातवें चरण के 216 प्रत्याशियों के नामांकन निरस्त

» अब 54 सीटों के लिए 652 उम्मीदवार, 21 फरवरी को वापस लिए जाएंगे नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । यूपी प्रदेश विधान सभा चुनाव के सातवें चरण की 54 सीटों के लिए शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच में 216 पर्चे खारिज हो गए। अब मैदान में 652 उम्मीदवार बचे हैं। 21 फरवरी को नामांकन पत्र वापस लिए जाएंगे। इसके बाद इस चरण की असल तस्वीर साफ होगी। अंतिम चरण का मतदान सात मार्च को होगा।

सातवें व अंतिम चरण का चुनाव नौ जिलों में होगा। शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच में सर्वाधिक 13 पर्चे वाराणसी की पिंडरा विधान सभा से निरस्त हुए। भदोही व ज्ञानपुर से 12-12 नामांकन पत्र जांच में खारिज हो गए। आजमगढ़ की अतरौलिया व जौनपुर की जफराबाद से नौ-नौ नामांकन निरस्त हुए। वाराणसी कैंट से आठ, जहूराबाद, बदलापुर, शाहगंज, राबर्ट्सगंज, रोहनिया, वाराणसी उत्तर व वाराणसी दक्षिण से सात-सात पर्चे निरस्त हुए हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब आजमगढ़ जिले के अतरौलिया में 10, गोपालपुर में 11, सगड़ी में 15, मुबारकपुर में 14, आजमगढ़ में नौ, निजामाबाद में 13, फूलपुर पवई में 12, दीदारगंज में 15, लालगंज में 10, मेहनगर में आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे हैं। भदोही में 12, ज्ञानपुर में 12, औराई में सात प्रत्याशी रह गए हैं। चंदौली जिले के मुगलसराय में 14, सकलडीहा में नौ, सैयदराजा में 11, चकिया में 11 प्रत्याशी बचे हैं। गाजीपुर जिले के जखनियां में 17, सैदपुर में 10, गाजीपुर में 19, जंगीपुर में 14, जहूराबाद में 13, मोहम्मदाबाद में 10 व जमानिया में 14 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। जौनपुर जिले के बदलापुर में 15, शाहगंज में 13, जौनपुर में 26, मल्हनी में 13, मुंगराबादशाहपुर में 15, मछलीशहर में 10, मड़ियाहू में 12, जफराबाद में 11 व केराकत में 10 प्रत्याशी रह गए हैं। मऊ जिले के मधुबन में 12, घोसी में 11, मोहम्मदाबाद गोहना में आठ व मऊ में 14, मीरजापुर जिले के छानबे में नौ, मीरजापुर में 14, मझवां में 14, चुनार में 10, मड़िहान में 14, सोनभद्र के घोरावल में 13, राबर्टसगंज में 13, ओबरा में आठ व दुद्धी में 10 प्रत्याशी शेष हैं। इसी प्रकार वाराणसी जिले की पिन्ड्रा में छह, अजगरा में 11, शिवपुर में 17, रोहनियां में 10, वाराणसी उत्तर में नौ, वाराणसी दक्षिण में 13, वाराणसी कैंट में 10 व सेवापुरी में 11 प्रत्याशी जांच के बाद चुनाव मैदान में बचे हैं।

चुनाव प्रभावित करने की आशंका पर भाजपा विधायक संजय गुप्ता पाबंद

» डिप्टी सीएम केशव मौर्य के करीबी हैं विधायक, आचार संहिता उल्लंघन पर भी हो चुकी है कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पुलिस ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य के करीबी भाजपा विधायक को पाबंद किया है। ताजा मामला कौशाम्बी जिले का है जहां भाजपा विधायक से निष्पक्ष चुनाव कराने में पुलिस को खतरा है। इसी आशंका को देखते हुए पुलिस ने विधायक के खिलाफ 107/116 की कार्रवाई करते हुए दो लाख से पाबंद किया है।

पांचवें चरण में होने वाले मतदान को लेकर कौशाम्बी जिले की पुलिस ने तैयारी तेज कर दी है । चुनाव में गड़बड़ी करने वाले लोगों को पुलिस चिन्हित कर कार्यवाही कर रही है। कौशम्बी जिले के कोखराज थाने की भरवारी पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक श्रवण सिंह ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य के सबसे करीबी चायल सीट से विधायक संजय गुप्ता से मतदान प्रभावित होने की आशंका जाहिर की है, इसी आशंका को देखते हुए एसआई ने विधायक के खिलाफ 107/116 की कार्यवाही करते हुए दो लाख रुपए से पाबंद किया है। कार्यवाही करके एसआई ने विधायक के खिलाफ नोटिस चायल एसडीएम को भेज दी है । वही निरोधात्मक कार्यवाही होने पर अब विधायक को जमानत के लिए मुचलका करवाना पड़ेगा। साथ ही जमानतदारों से दो लाख का बांड भरना पड़ेगा । इस कार्यवाही के बाद भी यदि चुनाव में कोई हरकत होती है तो जमानतदरों की जमानत राशि जब्त कर ली जायेगी। गौरतलब है कि आचार संहिता लागू हो जाने के बाद अपने स्कूल में बच्चियों को 40 स्कूटी बांटने के मामले में निर्वाचन आयोग ने मुकदमा दर्ज करवाया था जिसके चलते संजय गुप्ता को भाजपा ने टिकट नहीं दिया। वही अब पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है। जिससे आने वाले दिनों में भाजपा विधायक संजय गुप्ता की मुश्किल बढ़ गई हैं ।

ट्रक और पिकअप की टक्कर से दो की मौत, पांच घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ललितपुर। महरौनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिलावन में एक तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप वाहन में जोरदार टक्कर मार दी जिससे पिकअप में सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कस्बा पाली से महरौनी क्षेत्र के ग्राम खटोरा में पिकअप वाहन में बारात जा रही थी। पिकअप वाहन में करीब 10 से 12 लोग सवार होकर महरौनी की ओर जा रहे थे। अभी उनकी गाड़ी ग्राम सिलावन के पास ही पहुंची थी कि तभी सामने से आ रहे एक ट्रक ने पिकअप वाहन में जोरदार टक्कर मार दी जिससे पिकअप में सवार कस्बा पाली निवासी सियाराम पुत्र चिंतामणि 32 और ग्राम हीरापुरा हनु पुरा वलनिवासी कल्याण 55 की जिला अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। वहीं कस्बा पाली निवासी अंकित, रामसेवक 28, मुन्ना बुनकर एवं आनंद राज 22 पुत्र देशराज गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वसूली करने वाली सरकार पर हो कार्रवाई : नसीमुद्दीन

सीएए आंदोलनकारियों से वसूली के आदेश को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द करने पर कांग्रेस ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएए-एनआरसी के खिलाफ आंदोलन में शामिल आंदोलनकारियों से वसूली का आदेश रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए यूपी कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस मसले पर योगी सरकार और अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने वाले आंदोलनकारियों को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बता दिया कि देश संविधान और कानून से चलेगा। योगी सरकार ने बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के सैकड़ों लोगों के खिलाफ वसूली नोटिस जारी कर दी थी। उस समय भी कांग्रेस पार्टी ने इसका जोरदार विरोध किया था। प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी ने सड़क पर उतरकर आवाज उठाई थी, लेकिन प्रदेश सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी थी। सुप्रीम कोर्ट का आदेश साबित करता है कि योगी सरकार का लोकतंत्र पर कोई विश्वास नहीं है। इस मुद्दे पर तमाम दूसरे विपक्षी दल भी कुछ नहीं बोले। गौरतलब है कि दिसंबर 2019 में प्रदेश के अलग अलग जिलों में हुए सीएए विरोधी प्रदर्शन के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए जारी वसूली नोटिस को सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद प्रदेश सरकार ने वापस ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपर जिलाधिकारी की ओर से जारी वसूली नोटिस को न सिर्फ गैर कानूनी माना था, बल्कि अब तक वसूली गई रकम को भी वापस करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि सरकार कानून के तहत कार्रवाई कर सकती है। यानी सरकार द्वारा बनाए गए कानून के तहत टिब्यूनल के जरिए नोटिस जारी किया जा सकता है।

वोट के लिए बीजेपी ने वापस लिए काले कानून : अखिलेश

चौथे चरण के प्रचार में सपा प्रमुख ने पीलीभीत में बीजेपी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार भाजपा पर हमलावर हैं। चौथे चरण के चुनाव प्रचार में उन्होंने पीलीभीत से बीजेपी के उच्च नेतृत्व को ललकारा, कहा बस कुछ ही दिन बचे है, जल्द ही डबल इंजन की सरकार की विदाई हो जाएगी। उन्होंने कहा कि लखीमपुर में किसानों की जानें गईं, किसान कुचले गए। इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। केंद्रीय मंत्री का बेटा दोषी है, जो जमानत पर बाहर घूम रहा है। साथ ही अब तक उस मंत्री तक से इस्तीफा तक नहीं लिया गया, यह घोर अन्याय नहीं। अखिलेश ने कहा यह चुनाव बेहद अहम है। जनता बीजेपी को माफ नहीं करेगी।

उन्होंने कहा काका गए तो बाबा भी जाएंगे। काका का मतलब काले कानून, वो वापस ले लिए चुनाव में हार के डर से। ठीक इसी तरह भाजपा भी सत्ता से बाहर हो जाएगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनावी सभा में घोषणाओं के जरिये मतदाताओं को रिझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनी तो न सिर्फ सरसों का समर्थन मूल्य बढ़वाएंगे बल्कि सरसों के तेल का कारखाना लगवाने का भी काम करेंगे। प्रदेश में प्रतिदिन दो से ढाई करोड़ अंडे खाए जाते हैं। ऐसे में मुर्गी, बकरी और मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए बिना ब्याज के ऋण दिलाया जाएगा। खेल, बिजली, स्वास्थ्य के साथ ही कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए डायल-100 में पुलिस की संख्या दोगुनी की जाएगी। इसके अलावा 11 लाख खाली पड़े पदों को भी भरा जाएगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि तीसरे चरण में भाजपा शून्य होने वाली है। भाजपा ने सिर्फ धोखा देने का काम किया है। तंज कसते हुए कहा कि बगल में आए बाबा मुख्यमंत्री ने न जाने क्या-क्या काम गिना दिए। जनता से पूछने के लहजे में कहा कि आप बताएं कितने काम हुए? फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दिला सके। खाद की भी किल्लत रही।

सपा प्रमुख ने कहा जिन किसानों को मिली भी है उन्हें बोरी में पांच किलोग्राम कम ही मिली है। नोटबंदी में आमजन से पैसे जमा कराए और उद्योगपति पैसा लेकर भाग गए। भाजपा कानून की बात करती है, 25 हजार का इनामी नेता क्रिकेट खेल रहा है। पुलिस कप्तान फरार है।

जिस पर हमला हुआ उसी के खिलाफ करा दी एफआईआर

अभय सिंह गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव के चौथे चरण के मतदान वाले क्षेत्र अयोध्या के गोसाईगंज में प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच कल देर रात झड़प तथा फायरिंग हुई। पूर्व विधायक व सपा प्रत्याशी अभय सिंह तथा भाजपा प्रत्याशी आरती तिवारी के समर्थकों के बीच फायरिंग के मामले में सपा प्रत्याशी अभय सिंह को पुलिस ने सुबह उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया है। महाराजगंज पुलिस ने अभय सिंह के चार समर्थकों को भी पकड़ा है। घटना के समय स्थानीय लोगों की माने तो बीजेपी के समर्थकों ने सपा प्रत्याशी पर पहले हमला किया। वहीं उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो गई, ये बात गले से नहीं पच रही।

अयोध्या में आमने-सामने आ गए थे भाजपा व सपा के समर्थक

लोगों का कहना है कि इस इलाके के लोग बीजेपी की नीतियों से खुश नहीं है। चुनाव जीतने के चलते भाजपा प्रत्याशी के समर्थक सपा समर्थकों से भिड़ गए। वहीं बीजेपी के समर्थकों का आरोप है कि हमला पहले सपा समर्थकों की ओर से किया गया, दोषी वो लोग हैं। अयोध्या के सबसे संवेदनशील माने जाने वाले गोसाईगंज विधानसभा में कल रात दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच राजनीतिक वर्चस्व को लेकर ऐसी भिड़ंत हुई कि पथराव के बाद फायरिंग भी होने लगी। इस दौरान कई वाहनों को भी क्षति पहुंचाई गई तो थाने में भी पथराव हुआ। पुलिस के अनुसार कल देर रात कबीरपुर चौराहे पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने सपा समर्थकों पर हमले का आरोप लगाया था। इसके बाद सपा प्रत्याशी अभय सिंह के समर्थकों ने महराजगंज थाने में पथराव किया था। इस पथराव का वीडियो सामने आने के बाद आज सुबह अभय सिंह को समर्थकों के साथ गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि अयोध्या की गोसाईगंज विधानसभा सीट हाई प्रोफाइल बन गई है। सपा से अभय सिंह व भाजपा से इस बार एक मामले में जेल में निरूद्ध चल रहे गोसाईगंज से पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू की पत्नी आरती तिवारी प्रत्याशी हैं। दोनों ही प्रत्याशियों के समर्थकों में तनाव है।

ये था मामला

महाराजगंज थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में कल देर रात चुनाव प्रचार के लिए सपा प्रत्याशी अभय सिंह और भाजपा प्रत्याशी आरती तिवारी के समर्थक विकास सिंह मौजूद थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में वाद विवाद हो गया और बात फायरिंग तक जा पहुंची। सपा प्रत्याशी अभय सिंह का आरोप है कि सत्तापक्ष से जुड़े हुए लोगों ने उनके वाहनों पर हमला किया है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा प्रत्याशी के समर्थक मया ब्लॉक प्रमुख कप्तान सिंह ने आरोप लगाया है कि सपा समर्थकों ने उनके साथ अभद्रता की।

"दोनों ही पार्टी के प्रत्याशियों ने एक दूसरे पर पथराव और फायरिंग का आरोप लगाया है। किसी भी व्यक्ति के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। मामले की जांच जारी है। -शैलेश पांडे, एसएसपी

अगर सीएम योगी जीते तो नहीं लौटूंगा इंडिया : कमाल खान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए कल यानी 20 फरवरी को तीसरे चरण की वोटिंग होनी है। इसी बीच, फिल्म आलोचक और एक्टर कमाल राशिद खान का एक ट्वीट अचानक चर्चा में आ गया है। उन्होंने कसम खाई है कि अगर 10 मार्च को अगर योगी आदित्यनाथ की हार नहीं हुई तो वे इंडिया कभी वापस नहीं आएंगे। अंत में उन्होंने बजरंगबली की जय का घोष भी किया है। केआरके वैसे पहले शख्स नहीं हैं जिन्होंने ऐसी बात की है। पिछले महीने 19 जनवरी को मशहूर शायर मुनव्वर राणा ने भी कहा था कि वर्तमान सरकार पलायन-पलायन रट रही है, लेकिन भाजपा सरकार में मुसलमानों में इतना खौफ है कि कोई बोल नहीं सकता है। ऐसे में भाजपा सरकार आ जाती है तो हमें यहां रहने की जरूरत नहीं है।

फ्यूज बल्ब है विपक्ष, भाजपा ही बनाएगी फिर सरकार : स्वतंत्र देव

भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में बीजेपी पार्टी ने अपने सारे दिग्गज नेताओं को चुनावी मैदान में प्रचार के लिए उतारा है। वहीं चौथे चरण के मतदान के चुनाव प्रचार के लिए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने लखनऊ मुख्यालय से जनता जनार्दन से भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने की अपील की। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। विपक्ष पर वार करते हुए उसे फ्यूज बल्ब करार दिया। कहा कि दस मार्च को भाजपा फिर यूपी में सरकार बनाएगी।

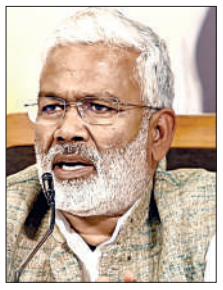

दरअसल, यूपी के चुनावी दंगल में बीजेपी पार्टी ने 30 स्टार प्रचारकों को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं पार्टी ने प्रत्याशियों के समर्थन में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वहीं तीसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उरई विधानसभा सीट के प्रत्याशी गौरीशंकर वर्मा के पक्ष में जनसभा की और रोड शो में भी शामिल हुए। जनसभा के दौरान वह विपक्ष पर हमलावर होते नजर आए। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा सरकार में पहले तारों में करंट नहीं आता था। अब 24 घंटे बिजली आती है। 26 सालों तक सपा, बसपा, कांग्रेस ने राम मंदिर नहीं बनने दिया। सोनिया गांधी ने मंदिर निर्माण को लेकर कोर्ट में हलफनामा तक दे दिया था, लेकिन बीजेपी सरकार ने भगवान श्रीराम के मंदिर का भव्य शिलान्यास कराया है। सपा सरकार में परिवारवाद की राजनीति होती थी। लूट-डकैती जैसी घटनाएं सपा सरकार में बेतहाशा वृद्धि हुई, लेकिन योगी सरकार ने इस पर लगाम लगाया है।

बेरोजगार करेंगे भाजपा को सत्ता से बाहर : चंद्रशेखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर शहर सीट पर भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस के साथ ही पहली बार आजाद समाज पार्टी भी मैदान में है। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद चुनाव प्रचार करने आज गोरखपुर पहुंच गए हैं। चंद्रशेखर तीन दिन तक गोरखपुर में रहकर वोट मांगेंगे।

चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि घर-घर जाकर वे प्रचार करेंगे। गोरखपुर पहुंचने से पहले ही यहां का माहौल गरम करने के लिए चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया पर भाजपा को चैलेंज किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि प्रकृति का नियम है, कमल कभी फाल्गुन में नहीं खिलता। पिछले 5 साल उत्तर प्रदेश में रोजगार मांगने पर युवाओं पर योगीजी के इशारे पर चलाई गई एक-एक लाठी का हिसाब बाबाजी को गोरखपुर में देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौजवान व बेरोजगार भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेकेंगे। भाजपा राज में हर वर्ग परेशान है, 10 मार्च को जनता भाजपा को सबक सिखाकर रहेगी।

पूर्व मंत्री व नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व मंत्री व विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष 88 वर्षीय अहमद हसन का आज निधन हो गया। वे लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती थे। वह 8 दिनों से डायलिसिस पर थे। उनकी हालत बेहद क्रिटिकल थी। अहमद हसन सपा की सरकार में स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री भी रह चुके हैं।

हसन मुलायम सिंह के करीबी थे। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि आज सुबह 11 बजे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सपा सरकार में पूर्व मंत्री अहमद हसन का निधन हो गया। उन्होंने कहा हसन को सेप्सिस होने की वजह से लोहिया आयुर्वैदिक संस्थान की क्रिटिकल केयर मेडिसिन डिपार्टमेंट में शिफ्ट किया गया था। वहां स्पेशलिस्ट डॉक्टर दीपक मालवीय और अन्य डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।